भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

आर्थिक प्रभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 224

(जिसका उत्तर मंगलवार, 19 जुलाई, 2022/28 आषाढ़, 1944 (शक), को दिया जाना है)

भारतीय अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति और बढ़ते दामों का प्रभाव

224. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या वित्त **मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का अनुमान है कि कच्चे तेल की बढ़ते दामों और मुद्रास्फीति को लेकर बढ़ती चिंता के कारण वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 8% से कम हो जाएगी;

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की प्रतिक्रिया संबंधी योजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सरकार द्वारा जीडीपी में कितने प्रतिशत वृद्धि या कमी का अनुमान लगाया गया है;

(घ) क्या सरकार उत्पादों के बढ़ते दामों का अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अपने दीर्घकालिक आर्थिक पूर्वानुमानों का पुनःआंकलन करेगी; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): 31 जनवरी**, 2022** को संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा ने वित्त वर्ष **2022-23** के दौरान वास्तविक जीडीपी को **8.0-8.5** प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया। तब से**,** कई उच्च आवृत्ति संकेतकों (एचएफआई) में निरंतर विकास गति देखी गई है**,** जो यह दर्शाता है कि वित्त वर्ष **2022-23** की पहली तिमाही में अनुमानित विकास गति सही है। आईएमएफ ने अपने अप्रैल**, 2022** के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अपडेट में वित्त वर्ष **2022-23** में भारत की वास्तविक जीडीपी को **8.2** तक प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया है। निरंतर विकास गति सुनिश्चित करने के लिए**,** सरकार ने विदेशों से आयातित उच्च मुद्रास्फीति को दूर करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती तथा पेट्रोल**,** डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन के निर्यात पर विशेष उत्पाद शुल्क/उपकर में कटौती शामिल है**,** जिससे मुद्रास्फीति के दबाव के कम होने की संभावना है। इसके अलावा**,** मुद्रास्फीति पर नियंत्रण लगाने के लिए**,** आरबीआई ने अपनी जून की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर में **50** आधार पॉइंट की बढ़ोतरी की**,** जो मई **2022** में **40** आधार पॉइंट की पूर्व वृद्धि के शीर्ष पर थी।

(ग)-(ङ): रूस और यूक्रेन के बीच भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक आपूर्ति बाधित हुई है**,** जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल**,** गैस**,** खाद्य तेलों और उर्वरकों की कीमतों सहित वैश्विक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। भारत सरकार वैश्विक मूल्य में उतार-चढ़ाव और व्यापार के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव की बारीकी से निगरानी कर रही है। हाल ही में खाद्य तेल**,** धातु और कच्चे तेल सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतें स्थिर हुई हैं। फेड सहित कई केंद्रीय बैंकों ने भी मुद्रास्फीति से निपटने के लिए अपनी मौद्रिक नीति को कड़ा किया है। आरबीआई और सरकार स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और उचित कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं।

****